University in News on 21 January 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : समाज कार्य विभाग पढ़ाएगा एआई

बीए चौथे सेमेस्टर में वोकेशनल कोर्स के तौर पर पढ़ेंगे छात्र

संवाद न्यूज एजेंसी

इंटेल देगी शिक्षकों को ट्रेनिंग : समाज कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अनूप भारतीय ने बताया कि सेमीकंडक्टर की सबसे बड़ी कंपनी इंटेल शिक्षकों को एआई का प्रशिक्षण देगी। एआई के जरिये कंप्यूटर सिस्टम या रोबोटिक सिस्टम तैयार किया जाता है। इसे उन्हीं तर्कों के आधार पर चलाने का कोशिश की जाती है।

लखनऊ। लविवि के समाज कार्य विभाग में अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को भी पाठ्यक्रम में पढ़ाया जाएगा। विद्यार्थी वोकेशनल कोर्स के रूप में बीए के चौथे सेमेस्टर में यह कोर्स कर सकेंगे। इसके लिए 30 सीटें तय की गई हैं।

समाज कार्य विभाग के अंतर्गत शुरू होने वाले एआई आधारित पाठ्यक्रम का नाम 'इंट्रोडक्शन टू आर्टिफिशल इंटेलिजेंस' होगा। इसमें एआई का इतिहास, 5-जी, एआई आधारित प्रोजेक्ट्स, एआई के मौलिक प्रारूप, एआई का समाज पर प्रभाव, भविष्य में संभावनाएं व चुनौतियां जैसे विषय शामिल हैं। विभागाध्यक्ष प्रो. अनूप भारतीय ने बताया कि एआई वर्तमान दौर की सबसे उन्नत तकनीक है। इससे विद्यार्थियों का परिचित होना समय की मांग है। उन्होंने बताया कि नीति आयोग जल्द ही राष्ट्रीय कृत्रिम बुद्धिमत्ता कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करेगा। समय आ गया है जब हम उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रम में इसे शामिल कर देश के युवाओं को कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से हुनरमंद बना सकें।

रजिस्ट्रार को सौंपा ज्ञापन : लविवि में विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति फॉर्म भरने में आ रही समस्या के कारण एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह को ज्ञापन सौंपा।

भारत के सांस्कृतिक नायक हैं राम : रवींद्र

लखनऊ। राम भारत के सिर्फ धार्मिक नायक नहीं हैं। हिंदू हो या मुस्लिम, वे सभी के लिए भारत के सांस्कृतिक नायक हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय की हैप्पी थिंकिंग लैब में शनिवार को राम कथा : शिक्षण, शोध तथा जीवन, विषय पर आयोजित व्याख्यान में प्रो. रवींद्र प्रताप सिंह ने यह बात कही। प्रो. सिंह ने कहा कि राम को हर कोई अलग-अलग रूप में देखता है। नवमी को जन्मे राम के जीवन पर आधारित नौ मॉडल विकसित किए जा सकते हैं। राज्य से लेकर वनगमन तक उनका प्रबंधन लाजवाब है। (माई सिटी रिपोर्टर)

संस्कृत विभाग की पत्रिका यूजीसी केयर लिस्ट में शामिल

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्कृत एवं प्राकृत भाषा विभाग की शोध पत्रिका संस्कृत-वाङ्मयी को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की केयर लिस्ट में शामिल किया गया है। पत्रिका में संस्कृत, प्राकृत और पालि भाषा के वेद, धर्म, दर्शन, साहित्य, पुराण, भाषा, व्याकरण, विधि, राजनीतिक, शिक्षा, समाजशास्त्र आदि विषयों के शोध पूर्ण आलेखों का समावेश किया गया है। विभोचन कुलपति प्रो. आलोक राय, संपादक डॉ. अभिमन्यु सिंह व डॉ. सत्यकेतु ने किया। (संवाद)

NBT PAGE 4

LU: संस्कृत विभाग की पत्रिका केयर लिस्ट में

■ एनबीटी सं., लखनऊः एलयू के संस्कृत तथा प्राकृत भाषा विभाग की शोध पत्रिका संस्कृत-वाङ्मयी का चयन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की निर्धारित केयर लिस्ट में हुआ है। पत्रिका में संस्कृत, प्राकृत और पालि भाषा के वेद, धर्म, दर्शन, साहित्य, पुराण, भाषा-व्याकरण, विधि, राजनीतिक, शिक्षा, समाजशास्त्र आदि के शोध पूर्ण आलेख होते हैं। पत्रिका के संपादक डॉ. अभिमंयु सिंह ने बताया कि 2023 के अंक में कई विवि के आचार्यों के लेखों को स्थान दिया गया है। एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने इस उपलब्धि पर विभाग को बधाई दी है।

तीसरी बार बढ़ी अंक अपलोड करने की डेट

■ एनबीटी सं., लखनऊः एलयू को तीसरी बार आंतरिक, मौखिक और प्रयोगात्मक परीक्षाओं के अंक ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड करने की डेट बढ़ानी पड़ी है। विषम सेमेस्टर परीक्षा-2023 के तहत इन सभी परीक्षाओं के अंक पोर्टल पर अपलोड किया जाने थे। पर, दर्जनों कॉलेजों ने अब तक अंक अपलोड नहीं किये हैं। अब 27 जनवरी तक ऑनलाइन पोर्टल पर अब अपलोड किए जा सकते हैं।

एक फ्रेम में 11 प्रसंगों के डाक टिकट

एलयू के उर्दू विभाग के समन्वयक डॉ. फाजिल अहसन हाशमी ने रामायण के प्रसंगों से जुड़े 11 डाक टिकट एक फ्रेम में जोड़े हैं। उन्होंने इन टिकटों के फर्स्ट डे कवर फ्रेम करवा कर एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय को शनिवार को भेंट किया।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि : समाज कार्य विषय के पाठ्यक्रम में शामिल हुआ आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के द्वारा भारत जल्दी ही विश्व में अगुआ बन उसका नेतृत्व करेगा। हमारे पूर्व वित्तमंत्री स्व. अरुण जेटली ने वर्ष 2018-19 के बजट में यह उल्लेख किया था कि केंद्र सरकार का थिंकटैंक नीति आयोग जल्दी ही राष्ट्रीय कृत्रिम बुद्धिमत्ता कार्यक्रम (नेशनल आर्टिफिशयल इंटेलीजेंस प्रोग्राम - एनएआईपी) की रूपरेखा तैयार करेगा। आज समय आ गया है जब हम उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रम में इसे शामिल कर युवाओं को इसकी आधिकारिक जानकारी देकर उन्हें इस में हुनरमंद बनायें। यह विचार लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के अध्यक्ष एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के निदेशक प्रो. अनूप कुमार भारतीय ने शनिवार को व्यक्त किए।

उन्होंने बताया कि लखनऊ विश्वविश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग ने अपने पाठ्यक्रम में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस को शामिल कर लिया है। इसके बारे आज लगभग हर व्यक्ति जानता है लेकिन जरूरत जानकारी को देश के विकास में उपयोग करने की है।

बता दें कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शुरूआत 1950 के दशक में हुई थी। इसके जरिये कंप्यूटर सिस्टम या रोबोटिक सिस्टम तैयार किया जाता है, जिसे उन्हीं तर्कों के आधार पर चलाने का प्रयास किया जाता है जिसके आधार पर मानव मस्तिष्क काम करता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जनक जॉन मैकार्थी के अनुसार यह बुद्धिमान मशीनों, विशेष रूप से बुद्धिमान कंप्यूटर प्रोग्राम को बनाने का विज्ञान और अभियांत्रिकी है अर्थात यह मशीनों द्वारा प्रदर्शित किया जाने वाला इंटेलिजेंस है।

प्रो. भारतीय ने इस पर और रौशनी डालते हुए बताया कि समाज कार्य विभाग विश्व विख्यात एवं सेमीकंडक्टर की सबसे बड़ी कम्पनी इंटेल के सहयोग से शिक्षकों को एआई का शिक्षण व प्रशिक्षण देगा। समाज कार्य ऐसा पहला विभाग है जो एआई से संबंधित वोकेशनल प्रश्नपत्र शुरू करने जा रहा है। जिसे सेमेस्टर 4 के स्नातक स्तर के विद्यार्थी वोकेशनल कोर्स के रूप में पढ़ सकेंगे। इस कोर्स की कुल 30 सीटे है। इस कोर्स का शीर्षक इंट्रोडकशन टू आर्टिफि शलइंटेलिजेंस होगा। इसके अंतर्गत एआई का इतिहास, 5जी, एआई आधारित प्रॉजेक्ट्स, एआई के मौलिक प्रारूप, एआई का समाज पर प्रभाव, भविष्य में संभावनायें एवं चुनौतियां जैसे विषय शामिल हैं। इसमें बीए (एनईपी) चौथे सेमेस्टर में 30 सीटों का प्रावधान किया गया है। विद्यार्थी इसके माध्यम से और अधिक सक्षम होकर अपने भविष्य के रास्ते तलाश पाने में सक्षम होंगे।

लविवि में चला व्यापक स्वच्छता अभियान

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के निर्देशन में विश्वविद्यालय में शनिवार को व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। यह अभियान मुख्य परिसर और दूसरे परिसर में लड़कियों और लड़कों के छात्रावासों से शुरू हुआ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों जैसे वाणिज्य, व्यावहारिक, व्यवसाय प्रशासन, कानून, लोक प्रशासन, प्राच्य संस्कृत, गणित, हिंदी और मनोविज्ञान विभाग ने स्वच्छता अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया और सामूहिक रूप से विश्वविद्यालय परिसर में स्वच्छता बढ़ाने में योगदान दिया। यह पहल अंततः शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए अनुकूलित एक स्वच्छ और सौंदर्यपूर्ण, मनभावन वातावरण बनाए रखने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

TOI PAGE 4

LU to start a vocational course in AI

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Lucknow University will introduce artificial intelligence (AI) as a vocational course in the academic session 2024-25. The course, passed by all academic bodies of LU, has been introduced by the social work department.

The department held a special lecture on AI on Saturday. During the session, it was announced that the department, in collaboration with a renowned American multinational corporation and technology company, will offer training sessions in AI to LU teachers.

Explaining the curriculum structure, Professor Anoop Kumar Bhartiya, the head of the social work department, said that AI studies will be incorporated into the fourth semester for BA students. The course, titled 'Introduction to Artificial Intelligence', accommodates a total of 30 seats. The syllabus encompasses topics such as the history of AI, 5G, AI-based projects, basic forms of AI, and the societal impact, future possibilities, and challenges associated with AI.

In his lecture, Professor Bhartiya hoped that India will emerge as a global leader in AI.

JAGRAN CITY PAGE III

अब बीए में भी एआइ की पढ़ाई

लवि के समाज कार्य विभाग ने बीए चौथे सेमेस्टर में वोकेशनल पेपर में किया शामिल

जागरण संवाददाता, लखनऊ : अब लखनऊ विश्वविद्यालय में बीए के छात्र-छात्राएं भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) को पढ़ाई कर सकेंगे। इसके लिए समाज कार्य विभाग ने बीए चौथे सेमेस्टर में वोकेशनल कोर्स के रूप में इसे शामिल किया है। इसमें 30 सीटों पर प्रवेश लिए जाएंगे।

समाज कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के निदेशक प्रोफेसर अनूप कुमार भारतीय ने बताया कि पूर्व वित्तमंत्री स्व. अरुण जेटली ने वर्ष 2018-19 के बजट में यह उल्लेख किया था कि केंद्र सरकार का थिंकटैंक नीति आयोग जल्दी ही राष्ट्रीय कृत्रिम बुद्धिमत्ता कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करेगा। अब हम उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रम में इसे शामिल कर युवाओं को इसकी आधिकारिक जानकारी देकर उन्हें इस में हुनरमंद बनायें। यह विचार लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग ने अपने पाठ्यक्रम में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस को शामिल कर लिया है। इसके बारे आज लगभग हर व्यक्ति जानता है लेकिन जरूरत जानकारी को देश के विकास में उपयोग करने की है।

शिक्षकों को दिया जाएगा प्रशिक्षण

प्रो. भारतीय ने बताया कि समाज कार्य विभाग विश्व विख्यात एवं सेमीकंडक्टर की सबसे बड़ी कंपनी इंटेल के सहयोग से शिक्षकों को एआइ का शिक्षण व प्रशिक्षण देगा। समाज कार्य ऐसा पहला विभाग है जो एआइ से संबंधित वोकेशनल प्रश्नपत्र शुरू करने जा रहा है।

लवि की पत्रिका यूजीसी केयर लिस्ट में शामिल

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्कृत एवं प्राकृत भाषा विभाग की शोध पत्रिका संस्कृत-वाङ्मयी का चयन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की निर्धारित केयर लिस्ट में हुआ है। यह वार्षिक शोधपत्रिका विगत 13 वर्षों से लगातार प्रकाशित हो रही है। इस रिसर्च जर्नल में भारत तथा विश्व के विविध विश्वविद्यालयों के मनीषी आचार्यों के शोधपूर्ण आलेखों का प्रकाशन होता है। इस पत्रिका में यूजीसी द्वारा निर्धारित समस्त मानकों का बहुत ही सावधानी पूर्वक पालन किया जाता है। जिसके कारण से इसका चयन यूजीसी द्वारा निर्धारित केयर लिस्ट में हुआ है। केयर लिस्ट समस्त विषयों की उन पत्रिकाओं की सूची है जो रिसर्च जर्नल्स के लिए निर्धारित प्रत्येक मानक को पूरा करते हैं। जिसमें वेबसाइट का होना, वेबसाइट पर प्रत्येक विगत प्रकाशित पत्रिका के अंकों की विषय सूची एवं पत्रिका का उपलब्ध होना एवं अन्य अनेक मानक हैं जिन पर खरा उतरने पर ही जर्नल्स को इस सूची में सम्मिलित किया जाता है। संपूर्ण संस्कृत जगत से लगभग 30 चयनित पत्रिकाओं को ही इस सूची में स्थान दिया गया है। अब इस सूची में संस्कृत तथा प्राकृत भाषा विभाग से प्रकाशित संस्कृत-वाङ्मयी पत्रिका का भी नाम है।इस पत्रिका में संस्कृत, प्राकृत तथा पालि भाषा के वेद, धर्म, दर्शन, साहित्य, पुराण, भाषा, व्याकरण, विधि, राजनीतिक, शिक्षा, समाजशास्त्र आदि विभिन्न विषयों के शोध पूर्ण आलेखों का समावेश किया जाता है।

वे होंगे पेपर का नाम

बी.ए. चौथे सेमेस्टर के विद्यार्थी वोकेशनल कोर्स के रूप में इसे पढ़ सकेंगे। इस कोर्स की कुल 30 सीटें है। इस कोर्स का शीर्षक 'इंट्रोडक्शन टू आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' होगा। इसके अंतर्गत एआइ का इतिहास, 5जी, एआइ आधारित प्रोजेक्ट्स, एआई के मौलिक प्रारूप, एआइ का समाज पर प्रभाव, भविष्य में संभावनाएं एवं चुनौतियां जैसे विषय शामिल हैं। विद्यार्थी इसके माध्यम से और अधिक सक्षम होकर अपने भविष्य के रास्ते तलाश पाने में सक्षम होंगे। गौरतलब है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शुरुआत 1950 के दशक में हुई थी।

AMRIT VICHAR PAGE 4

भाषा विभाग की पत्रिका यूजीसी केयर में शामिल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्कृत तथा प्राकृत भाषा विभाग की शोध पत्रिका संस्कृत-वाङ्मयी का चयन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा निर्धारित केयर लिस्ट में हुआ है। यह वार्षिक शोधपत्रिका विगत 13 वर्षों से लगातार प्रकाशित हो रही है। इस रिसर्च जर्नल में भारत तथा विश्व के विविध विश्वविद्यालयों के मनीषी आचार्यों के शोध पूर्ण आलेखों का प्रकाशन होता है।

संपूर्ण संस्कृत जगत से लगभग 30 चयनित पत्रिकाओं को ही इस सूची में स्थान दिया गया है। अब इस सूची में संस्कृत तथा प्राकृत भाषा विभाग से प्रकाशित संस्कृत-वाङ्मयी पत्रिका का भी नाम है।

इस अंक का लोकार्पण राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के द्वारा लखनऊ विश्वविद्यालय के 66 वें दीक्षांत समारोह में किया गया। इस पत्रिका के विगत अंकों में भारत ही नहीं अपितु जर्मनी, जापान तथा थाईलैंड आदि देशों के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के आचार्यों के लेखों को भी सम्मिलित किया गया है। पत्रिका के संपादक डॉ. अभिमन्यु सिंह द्वारा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को इस समाचार से अवगत कराने पर कुलपति ने इस विषय में अपनी प्रसन्नता व्यक्त की।

पत्रिका के साथ संपादक डॉ. अभिमन्यु सिंह व विवि के कुलपति आलोक कुमार राय व अन्य।

▶▶ विगत 13 वर्षों से लगातार प्रकाशित हो रही है वार्षिक शोध पत्रिका

लविवि में म्यांमार के शोध छात्र ने प्रस्तुत किया व्याख्यान

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग के द्वारा विभागाध्यक्ष डॉ. रजनी श्रीवास्तव के संरक्षण में एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान में दर्शनशास्त्र विभाग में म्यांमार से आए अंतरराष्ट्रीय शोध छात्र वेन. सुंदरा ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। व्याख्यान के द्वारा उन्होंने बताया कि बुद्ध की शिक्षाओं का पालन करने वाले लोगों के दैनिक जीवन में भावनाओं का चिंतन मुख्य भूमिका निभाता है। वह सार वर्तमान दैनिक जीवन में बुद्ध की शिक्षा के मूलभूत भाग के रूप में भावनाओं का निरीक्षण करने का एक प्रयास है। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक गण एवं विभागाध्यक्षा डॉ. रजनी श्रीवास्तव, डॉ. राजेश्वर प्रसाद यादव, डॉ. राजेंद्र कुमार वर्मा, डॉ प्रशान्त शुक्ला एवं पूर्व विभागाध्यक्षा डॉ. राकेश चंद्रा उपस्थित रहे।

लविवि में चलाया गया स्वच्छता अभियान

विभिन्न विभागों ने स्वच्छता अभियान में सक्रिय रूप से लिया भाग

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : अयोध्या में श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय के मार्गदर्शन में लखनऊ विश्वविद्यालय में स्वच्छता अभियान चलाया गया। यह अभियान मुख्य परिसर और दूसरे परिसर के छात्रावासों से शुरू हुआ।

लखनऊ विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों वाणिज्य, व्यावहारिक, व्यवसाय प्रशासन, कानून, लोक प्रशासन, प्राच्य संस्कृत, गणित, हिंदी और मनोविज्ञान विभाग ने स्वच्छता अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया। यह पहल अंततः शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए अनुकूलित एक स्वच्छ और सौंदर्यपूर्ण, मनभावन वातावरण बनाए रखने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के परिसर में झाड़ू लगाते शिक्षक व छात्र-छात्राएं।

▶▶ भाषा विवि के कुलपति की अध्यक्षता में चला स्वच्छता अभियान

भाषा विवि में चला स्वच्छता अभियान : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. एनवी सिंह की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय में स्वच्छता अभियान की शुरुआत की गई। इस अभियान में विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारीगण, शिक्षकगण, कर्मचारीगण तथा विद्यार्थियों ने सहभागिता की। यह अभियान राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ. नलिनी मिश्रा के निर्देशन में संचालित किया गया।

विश्वविद्यालय परिसर में स्थित सरस्वती मंदिर के आसपास भी साफ सफाई अभियान चलाया गया। इस अभियान में कुल सचिव डॉ.भावना मिश्रा, उप कुलसचिव दीप्ति मिश्रा, कुलानुशासक डॉ. नीरज शुक्ल, वित्त अधिकारी साजिद आजमी, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रामदास, डॉ. जफरून नकी, प्रो. चंदना डे उपस्थित रहे।

पाठ्यक्रम में शामिल हुआ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

अमृत विचार, लखनऊ : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के द्वारा भारत जल्दी ही अगुआ बन विश्व का नेतृत्व करेगा। पूर्व वित्तमंत्री स्व. अरुण जेटली ने वर्ष 2018-19 के बजट में यह उल्लेख किया था कि केंद्र सरकार का थिंकटैंक नीति आयोग जल्दी ही राष्ट्रीय कृत्रिम बुद्धिमत्ता कार्यक्रम (एनआईपी) की रूपरेखा तैयार करेगा। आज समय आ गया है जब हम उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रम में इसे शामिल कर युवाओं को इसकी आधिकारिक जानकारी देकर उन्हें हुनरमंद बनाएं। यह विचार शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के अध्यक्षा एवं प. दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के निदेशक प्रो. अनूप कुमार भारतीय ने व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि लखनऊ विश्वविश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग ने अपने पाठ्यक्रम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को शामिल कर लिया है। उन्होंने कहा कि इसके बारे आज लगभग हर व्यक्ति जानता है। प्रो. भारतीय ने बताया कि समाज कार्य विभाग विश्व विख्यात एवं सेमीकंडक्टर की सबसे बड़ी कम्पनी इंटेल के सहयोग से शिक्षकों को एआई का शिक्षण व प्रशिक्षण देगा। समाज कार्य ऐसा पहला विभाग है जो एआई से संबंधित वोकेशनल प्रश्नपत्र शुरू करने जा रहा है। जिसे सेमेस्टर 4 के स्नातक स्तर के विद्यार्थी वोकेशनल कोर्स के रूप में पढ़ सकेंगे। इस कोर्स की कुल 30 सीटें है। इस कोर्स का शीर्षक इंट्रोडकशन टू आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस होगा।

NBT PAGE 5

LU में सोशल वर्क में होगी AI की पढ़ाई

बीए चतुर्थ सेमेस्टर के स्टूडेंट्स वोकेशनल कोर्स के रूप में पढ़ेंगे AI, 30 सीटें निर्धारित

शिक्षकों को सेमीकंडक्टर कंपनी इंटेल देगी ट्रेनिंग, पाठ्यक्रम तैयार

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ

एलयू में सोशल वर्क में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। पाठ्यक्रम का कंटेट तैयार कर लिया गया है। वीसी प्रो. आलोक कुमार राय के मुताबिक स्नातक पाठ्यक्रम के चतुर्थ सेमेस्टर के स्टूडेंट्स इसे वोकेशनल कोर्स के रूप में पढ़ सकेंगे। इस कोर्स को नाम 'इंट्रोडक्शन टू आर्टिफिशल इंटेलिजेंस'रखा गया है। इसके लिए फिलहाल 30 सीटें रखी गई हैं।

सोशल वर्क विभाग के एचओडी प्रो. अनूप कुमार भारतीय ने बताया कि इस पाठ्यक्रम को इंटेल कंपनी की मदद से तैयार किया गया है। इस पाठ्यक्रम में एआई का इतिहास, मौलिक प्रारूप, समाज पर प्रभाव, भविष्य में संभावनाएं एवं चुनौतियां, एआई आधारित प्रॉजेक्ट्स, 5जी जैसे टॉपिक्स शामिल हैं। बकौल एचओडी, पूर्व वित्तमंत्री स्व. अरुण जेटली ने वर्ष 2018-19 के बजट में यह कहा था कि केंद्र सरकार का थिंकटैंक नीति आयोग जल्द ही राष्ट्रीय कृत्रिम बुद्धिमत्ता कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करेगा। एचओडी के मुताबिक समय आ गया है जब हम उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रम में इसे शामिल कर युवाओं को इसकी जानकारी देकर उन्हें हुनरमंद बनाएं।

यूजी के बाद पीजी में भी होगी शुरुआत

एचओडी का कहना है कि कोर्स के लिए अनुमति मिल चुकी है। सेमीकंडक्टर की सबसे बड़ी कंपनी इंटेल की मदद से ही शिक्षकों को एआई का प्रशिक्षण दिया जाएगा। स्टूडेंट्स के लिए यूजी स्तर के बाद इस वोकेशनल कोर्स को पीजी में शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि एआई की शुरुआत 1950 के दशक में हुई थी। इसके जनक जॉन मैकार्थी हैं। इसके जरिए कंप्यूटर सिस्टम या रोबोटिक सिस्टम तैयार किया जाता है। इसे उन्हीं तर्कों के आधार पर चलाने का कोशिश की जाती है, जिस पर मानव मस्तिष्क काम करता है।

NBT Lens — समझिए खबरों के अंदर की बात

सोशल वर्क में एआई के फायदे?

सोशल वर्क में सामाजिक समस्याओं से लेकर अन्य विषयों का डेटा तैयार किया जाता है। इसके बाद डेटा के आधार पर रिपोर्ट तैयार की जाती है। पर एआई को सोशल वर्क में शामिल करने से स्टूडेंट्स को कई फायदे होंगे। यह तेजी से डेटा विश्लेषण करके समस्याओं के समाधान के लिए नए दृष्टिकोण प्रदान कर सकता है। एआई स्टूडेंट्स की शोध क्षमता को और प्रभावी बना सकता है, क्योंकि एआई उन्हें विभिन्न स्रोतों से डेटा एकत्रित करने और विश्लेषण करने में मदद करेगा। इसके चलते कम समय में बेहतर रिपोर्ट तैयार होगी।

LOKSATYA PAGE 3

संस्कृत-प्राकृत भाषा विभाग की पत्रिका यू.जी.सी. केयर लिस्ट में शामिल

केयर लिस्ट

- **संस्कृत तथा प्राकृत भाषा विभाग का कार्यक्रम**

लखनऊ, लोकसत्य

संस्कृत-प्राकृत भाषा विभाग की पत्रिका यू.जी.सी. केयर लिस्ट में शामिल हो गई है। लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्कृत तथा प्राकृत भाषा विभाग की शोध पत्रिका संस्कृत-वाङ्मयी का चयन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) की निर्धारित केयर लिस्ट में हुआ है। यह वार्षिक शोधपत्रिका विगत 13 वर्षों से लगातार प्रकाशित हो रही है। इस रिसर्च जर्नल में भारत तथा विश्व के विविध विश्वविद्यालयों के मनीषी आचार्यों के शोध पूर्ण आलेखों का प्रकाशन होता है। इस पत्रिका में यूजीसी द्वारा निर्धारित समस्त मानकों का बहुत ही सावधानी पूर्वक पालन किया जाता है। जिसके कारण से इसका चयन यूजीसी द्वारा निर्धारित केयर लिस्ट में हुआ है। केयर लिस्ट समस्त विषयों की उन पत्रिकाओं की सूची है जो रिसर्च जर्नल्स के लिए निर्धारित प्रत्येक मानक को पूरा करते हैं। जिसमें वेबसाइट का होना, वेबसाइट पर प्रत्येक विगत प्रकाशित पत्रिका के अंकों की विषय सूची एवं पत्रिका का उपलब्ध होना एवं अन्य अनेक मानक हैं जिन पर खरा उतरने पर ही जर्नल्स को इस सूची में सम्मिलित किया जाता है। संपूर्ण संस्कृत जगत से लगभग 30 चयनित पत्रिकाओं को ही इस सूची में स्थान दिया गया है। अब इस सूची में संस्कृत तथा प्राकृत भाषा विभाग से प्रकाशित संस्कृत-वाङ्मयी पत्रिका का भी नाम है।इस पत्रिका में संस्कृत, प्राकृत तथा पालि भाषा के वेद, धर्म, दर्शन, साहित्य, पुराण, भाषा, व्याकरण, विधि, राजनीतिक, शिक्षा, समाजशास्त्र आदि विभिन्न विषयों के शोध पूर्ण आलेखों का समावेश किया जाता है।

समाज कार्य में शामिल हुआ आर्टिफ़िशियल इंटेलीजेंस

लखनऊ, लोकसत्य

आर्टिफ़िशियल इंटेलीजेंस से विश्व में अगुआ बनेगा भारत देश। हमारे पूर्व वित्तमंत्री स्वर्गीय अरुण जेटली ने वर्ष 2018-19 बजट स्वीकृत किया था। तय हुआ था कि केंद्र सरकार का थिंकटैंक नीति आयोग जल्दी ही राष्ट्रीय कृत्रिम बुद्धिमत्ता कार्यक्रम (National Artificial Inteliegence Program-NAIP) की रूपरेखा तैयार करेगा।

आज समय आ गया है जब हम उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रम में इसे शामिल कर युवाओं को इसकी आधिकारिक जानकारी देकर उन्हें इस में हुनरमंद बनायें। यह विचार लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के अध्यक्ष एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के निदेशक प्रो. अनूप कुमार भारतीय ने यह बातें कहीं। उन्होंने बताया कि लखनऊ विश्वविश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग ने अपने पाठ्यक्रम में आर्टिफ़िशियल इंटेलीजेंस को शामिल कर लिया है। उन्होंने कहा कि इसके बारे आज लगभग हर व्यक्ति जानता है लेकिन जरूरत जानकारी को देश के विकास में उपयोग करने की है। बताते चलें कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शुरुआत 1950 के दशक में हुई थी। इसके जरिये कंप्यूटर सिस्टम या रोबोटिक सिस्टम तैयार किया जाता है, जिसे उन्हीं तर्कों के आधार पर चलाने का प्रयास किया जाता है जिसके आधार पर मानव मस्तिष्क काम करता है। विभाग विश्व विख्यात एवं सेमीकंडक्टर की सबसे बड़ी कम्पनी इंटेल के सहयोग से शिक्षकों को ए.आई. का शिक्षण व प्रशिक्षण देगा। समाज कार्य ऐसा पहला विभाग है जो एआई से संबंधित वोकेशनल प्रश्नपत्र शुरू करने जा रहा है। जिसे सेमेस्टर 4 के स्नातक स्तर के विद्यार्थी वोकेशनल कोर्स के रूप में पढ़ सकेंगे।

कार्यर्यक्रमः सैटरडे सेमिनार की विशेष श्रृंखला में हुआ व्याख्यान

जागरूकता

- **दर्शन शास्त्र विभाग में हुआ कार्यक्रम**

लखनऊ, लोकसत्य

लखनऊ विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग में सैटरडे सेमिनार हुआ। सेमिनार विभागाध्यक्ष डॉ रजनी श्रीवास्तव के संरक्षण में हुआ कार्यक्रम। म्यांमार के अंतरराष्ट्रीय शोध छात्र, वेन सुंदरा ने व्याख्यान दिया। व्याख्यान का विषय ₹Contemplation of feelings in daily Life₹ था। उन्होंने कहा कि बुद्ध की शिक्षाओं का पालन करने वाले लोगों के दैनिक जीवन में भावनाओं का चिंतन मुख्य भूमिका निभाता है। यह सार वर्तमान दैनिक जीवन में बुद्ध की शिक्षा के मूलभूत भाग के रूप में भावनाओं का निरीक्षण करने की खोज है।

बौद्ध धर्म भावनाओं की प्रकृति को नश्वरता के रूप में बल देता है और इसे सुखद, अप्रिय और तटस्थ भावनाओं में विभाजित करता है। मध्यस्थता अभ्यास के माध्यम से, पर्यवेक्षक इन भावनाओं के बारे में गहरी जागरूकता का प्रबंधन कर सकते हैं, जिससे उन्हें बड़ी भावनात्मक लचीलापन और कल्याण प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।डॉ. राजेश्वर प्रसाद यादव, डॉ. राजेंद्र कुमार वर्मा, डॉ प्रशान्त शुक्ला एवं पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश चंद्रा सहित छात्र मौजूद रहे। सेमिनार का कोआर्डिनेशन विभाग की शोध छात्रा मनाल जब्बार ने किया। विभाग के अन्य शोध छात्रों ने कार्यक्रम में सहयोग किया।